गोपालकों को दिया जा रहा है पूर्ण प्रोत्साहन : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फिल्म गोदान का ट्रेलर और पोस्टर किया लांच

भोपाल, 28 जनवरी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास में गौमाता पर केंद्रित फिल्म गोदान का ट्रेलर लांच किया और फिल्म के पोस्टर का विमोचन किया. यह फिल्म आगामी 6 फरवरी को रिलीज होगी. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे स्वयं जनप्रतिनिधियों के साथ फिल्म गोदान देखने जाएंगे.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे स्वयं बाल्यकाल से गोपालन और गोसेवा से जुड़े हैं. गौमाता न सिर्फ दूध देती है बल्कि वातावरण को सकारात्मक बनाए रखने का कार्य करती है. गो सेवा से जो संतोष प्राप्त होता है, उसकी तुलना नहीं की जा सकती. उन्होंने कहा कि गौ माता का महत्व हमारी संस्कृति में आज से नहीं भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के युग से सर्वोपरि रहा है. मध्यप्रदेश सरकार ने गौशालाओं के प्रबंधन, आधुनिक तकनीक का उपयोग कर बड़ी गौशालाओं के संचालन, गौवंश संरक्षण, गोपालकों को दूध के विक्रय पर समुचित लाभ दिलवाने की व्यवस्था की है. उच्च शिक्षा में पशुपालन से संबंधित पाठ्यक्रमों को समावेश कर युवाओं को भी प्रेरित किया जा रहा है. गौशालाओं को प्रति गाय आहार के लिए 20 रुपए के स्थान पर 40 रुपए प्रदान की जा रही है. प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं, जिनमें राष्ट्रीय डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ अनुबंध, गोपालकों को प्रति लीटर 8 रुपए तक लाभ प्रदान करने और जबलपुर एवं ग्वालियर के दुग्ध संयंत्रों को नवीनीकृत करने के प्रयास शामिल हैं.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कामधेनू फिल्म प्रोडेक्शन और इसके निर्माता, निर्देशक विनोद चौधरी सहित अजीत प्रसाद महापात्र, शान्तनु शुक्ला, डॉ. इन्द्रेश प्रताप सिंह, डॉ. मधुसूदन शर्मा, वेदपाल झा को फिल्म निर्माण के लिए बधाई दी. इस अवसर पंचगव्य उत्पाद भी लांच किए गए.

उद्धवदास मेहता की स्मृति में सीएम डॉ. मोहन यादव करेंगे डाक टिकट का विमोचन

भोपाल. भोपाल के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. वैद्य उद्धवदास जी मेहता की स्मृति में सरकार द्वारा डाक टिकट जारी किया जा रहा है, जिसका आयोजन 1 फरवरी को कुशाभाऊ ठाकरे इन्टरनेशनल कन्वेनशन सेन्टर में किया जाएगा. इसका विमोचन केंद्रीय संचार मंत्री मुख्य अतिथि ज्योतिरादित्य सिंधिया और मुख्यमंत्री मोहन यादव करेंगे.

साइक्लिंग कर एकता-अनुशासन, फिटनेस का दिया संदेश

- व्हील्स ऑफ फ्रीडम तिरंगा साइक्लिंग रैली आयोजित
- 800 से अधिक साइकिल सवार शामिल

भोपाल, 28 जनवरी. जब 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर भोपाल शहर में व्हील्स ऑफ फ्रीडम थीम के अंतर्गत भव्य तिरंगा साइक्लिंग रैली का सफल आयोजन किया गया. इस देशभक्ति से ओत-प्रोत साइकिल रैली में 800 से अधिक साइकिल चालकों ने भाग लिया तथा शहीदों के परिवारों को सम्मानित किया गया.

5 वर्ष से 85 वर्ष तक के पुरुष एवं महिला साइकिल चालक अपने साइकिल पर तिरंगा ध्वज के साथ शहर की सड़कों पर उतरे और देशभक्ति गीतों व नारों के बीच एकता, अनुशासन, फिटनेस और राष्ट्रप्रेम का सशक्त संदेश दिया. लगभग 14-15 किलोमीटर लंबी यह रैली सुभाष एक्सीलेंस स्कूल, 7 नंबर बस स्टॉप से प्रारंभ होकर प्रमुख मार्गों से गुज़री, जहां भोपालवासियों ने फूलों की वर्षा, पटाखों और उत्साहपूर्ण स्वागत से साइकिल सवारों का अभिनंदन किया. पूरे मार्ग में जोश चरम पर रहा और प्रतिभागी देशभक्ति गीतों पर झूमते नज़र आए. रैली को भोपाल रेंज के डीआईजी राजेश सिंह चंदेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जबकि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एयर वाइस मार्शल पी. के. श्रीवास्तव रहे, जिन्होंने कारगिल युद्ध में भारतीय वायु सेना का प्रतिनिधित्व किया, बालाकोट एयर स्ट्राइक की रणनीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, प्रधानमंत्री की एडवाइजरी कमेटी के सदस्य रहे तथा राष्ट्रपति पदक सहित अनेक वीरता पुरस्कारों से सम्मानित हैं. यह आयोजन संविधान के सम्मान, स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया, जिसका समापन तिरंगे को सामूहिक सलामी और संविधान के मूल मूल्यों- न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व - को आत्मसात करने के संकल्प के साथ हुआ. पूरे भोपाल में 'जय हिंद, जय भारत' के नारों के साथ यह साइक्लिंग रैली गणतंत्र दिवस का एक प्रेरणादायक और यादगार अध्याय बन गया.

एक्सीलेंस पब्लिक स्कूल में मनाया गणतंत्र दिवस

भोपाल, 28 जनवरी. स्कूल के संचालक समीर प्रसाद ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर बच्चों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी. इस अवसर पर नन्हे बच्चों ने राष्ट्रीय भक्ति से ओत प्रोत प्रस्तुतियां दी.

डिजिटल व्यापार प्रणाली का आधुनिक बाजार पर फोकस

- ओडीओपी उत्पाद जरी-जर्दोजी के लिए प्रशिक्षण आयोजित

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 28 जनवरी. जिले के प्रमुख ओडीओपी उत्पाद जरी-जर्दोजी को निर्यात एवं बाजार विस्तार की दिशा में सशक्त बनाने प्रशिक्षण का आयोजन किया गया. यह आयोजन भोपाल में स्थित ओडीओपी जरी-जर्दोजी केंद्र गोलखेड़ीमें विशेष संपन्न हुआ.

प्रशिक्षण का उद्देश्य जरी-जर्दोजी कारीगरों एवं उद्यमियों को व्यावहारिक रूप से उद्योग-तैयार बनाना तथा उन्हें आधुनिक व्यापार एवं बाजार आवश्यकताओं से जोड़ना था.

यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम के नेशनल ट्रेड और इनवेस्टमेंट फेसिलिटेशन सेल तथा भोपाल जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित किया गया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कारीगरों, एसएचजीएस, एमएसएमई इकाइयों एवं स्थानीय उद्यमियों ने सहभागिता की. जो उपस्थित नहीं हो पाए, उन्होंने ऑनलाइन से शमिल हुए,

ऑनलाइन मार्केटिंग पर विशेष फोकस

प्रतिभागियों का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण रहा. प्रशिक्षण के दौरान जरी-जर्दोजी कारीगरों एवं उद्यमियों को डिजिटल व्यापार प्रणाली, ऑनलाइन मार्केटिंग एवं आधुनिक बाजार आवश्यकताओं की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई. साथ ही सत्र के दौरान लाइव रूप से कई प्रतिभागियों को डिजिटल मार्केट प्लेटफॉर्म पर ऑनबोर्ड भी किया गया, जिससे वे अपने उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचाने में सक्षम हो सके.

एक नजर में

5-एस प्रतियोगिता में फाउंड्री विभाग को प्रथम पुरस्कार

भोपाल, 28 जनवरी (बीएचईएल संवाददाता). बीएचईएल में गणतंत्र दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वकर्मा पूजा 2025 के दौरान आयोजित 5-एस प्रतियोगिता में फाउंड्री विभाग को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया. यह पुरस्कार प्रदीप कुमार उपाध्याय, कार्यपालक निदेशक, बीएचईएल, भोपाल द्वारा सांस्कृतिक सभागार में आयोजित समारोह के दौरान प्रदान किया गया. इस अवसर पर रुपेश तेलंग, महाप्रबंधक (फीडर्स एवं ट्रांसफॉर्मर्स - मैन्युफैक्चरिंग, कमर्शियल एवं मेंटेनेंस), एस. ए. डोंगरे, महाप्रबंधक (फीडर्स) तथा अनिल कुमार सिंह, सहायक महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष, एफवाईएम उपस्थित रहे.

आत्मीय भेंट का मिला सौभाग्य

भोपाल, 28 जनवरी. मेडिकल चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ योगेश देशमुख ने कहा कि कुटुम्ब यात्रा के अंतर्गत मित्र रोहित जैन के निवास पर जाकर उनके परिवार और उनकी 102 वर्षीय माताजी से आत्मीय भेंट का सौभाग्य मिला. उनकी अनुशासित जीवनशैली, उचित खानपान और स्वास्थ्यपूर्ण दिनचर्या पर हुई चर्चा प्रेरणादायक रही. कठिन संघर्ष के दिनों में माताजी ने पूरे परिवार को मानसिक संबल प्रदान कर उन्हें मजबूती से आगे बढ़ाया, उनका स्पष्ट संदेश था कि दीर्घायु और जीवन की हर चुनौती से पार पाने के लिए मानसिक रूप से सशक्त होना अत्यंत आवश्यक है. ऐसे अनुभव हमें बताते हैं कि दीर्घायु का रहस्य संतुलित आहार, और सादगी में छिपा है.

स्व-अधिगम पाठ्य सामग्री (एसएलएम) निर्माण कार्यशाला संपन्न

भोपाल, 28 जनवरी. मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल में स्व-अधिगम पाठ्य सामग्री (एसएलएम) निर्माण विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ. कार्यशाला के अंतिम दिन विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु प्रोफेसर मिलिंद दांडेकर ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के लिए तैयार की जाने वाली एसएलएम सामग्री में विषय की अधिकतम एवं गुणवत्तापूर्ण जानकारी होनी चाहिए, जिससे वह विद्यार्थियों के शिक्षण-अधिगम में सहायक सिद्ध हो सके. माननीय कुलगुरु ने कार्यशाला में यह भी जानकारी दी कि मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल अन्य विश्वविद्यालयों की भांति दो अन्य भाषाओं में प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट) पाठ्यक्रम प्रारंभ करने जा रहा है. इसके साथ ही उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की सभी डिग्रियों में शीघ्र ही डिजिटल सिग्नेचर की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी तथा आने वाले समय में विश्वविद्यालय में शिक्षकों के रिक्त पदों को भी भरा जाएगा. स्व-अध्ययन पाठ्य सामग्री (एसएलएम) निर्माण विषय पर आयोजित इस दो दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन एसएलएम एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आधारित अध्ययन सामग्री निर्माण पर विस्तृत चर्चा की गई.

डॉ. वर्मा को कथक में डॉक्टरेट की उपाधि

खैरागढ़ विवि का 17वां दीक्षांत समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न

भोपाल, 28 जनवरी. देश की प्रतिष्ठित कला शिक्षण संस्था इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ में बुधवार को 17वां दीक्षांत समारोह गरिमामय एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ.

समारोह में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रामेन डेका, छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक अनुज शर्मा एवं कुलपति प्रो. डॉ. लवली शर्मा ने विद्यार्थियों को उपाधी एवं स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया. जिसमें 5 शोधार्थियों को डी.लीट, 64 शोधार्थियों को पीएचडी और 232 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 4 विद्यार्थियों को रजत पदक प्रदान किए गए. जिसमें 5 शोधार्थियों को डी.लीट, 64 शोधार्थियों को पीएचडी और 232 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 04 विद्यार्थियों को रजत पदक प्रदान किए गए.

इसी क्रम में अतिथियों द्वारा दूरदर्शन केंद्र भोपाल के ग्रेडेड कलाकार डॉ. दीपक वर्मा को कथक विद्या में डॉक्टरेट (पीएच.डी.) की उपाधि प्रदान कर पारंपरिक विधि से सम्मानित किया गया. उल्लेखनीय है कि डॉ. वर्मा को वर्ष 2015 में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ द्वारा बी.ए. कथक में प्रावीण्य स्थान प्राप्त करने पर स्वर्ण पदक से भी सम्मानित किया गया था. डॉ. दीपक वर्मा वर्तमान में नरसिंहगढ़ संगीत महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापक (कथक) के पद पर कार्यरत हैं. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति, पदाधिकारी, शिक्षाविद्, कला विशेषज्ञ, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे.

लोकतांत्रिक परंपराओं की महत्ता पर विचार किए व्यक्त

भोपाल, 28 जनवरी. पशुपतिनाथ नेपाली समाज मंदिर, गोविंदपुरा में 26 जनवरी को भारत का 77वाँ गणतंत्र दिवस अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा और प्रखर देशभक्ति के वातावरण में भव्य रूप से मनाया गया. कार्यक्रम देशभक्ति गीतों, सामूहिक शुभकामनाओं और सामाजिक एकता के संदेश के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ.

कार्यक्रम के दौरान श्री पशुपतिनाथ नेपाली समाज के अध्यक्ष लोकमणी घिमिरे ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए भारतीय संविधान के मूल्यों, लोकतांत्रिक परंपराओं और राष्ट्रीय एकता की महत्ता पर विचार व्यक्त किए.

दिल्ली परेड में 200 स्वयंसेवक हुए शामिल

भोपाल, 28 जनवरी. राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस परेड कर्तव्य पथ न्यू दिल्ली में राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वयंसेवक शामिल हुए, जिनमें मप्र से 8 स्वयंसेवकों ने प्रतिनिधित्व किया. इसी प्रकार राज्य स्तरीय परेड में लाल परेड मैदान भोपाल पर 49 सदस्यीय दल ने एनएसएस को परेड में तृतीय स्थान दिलाया. इसी क्रम में संस्कृति दल के साथ आयोजित विशेष संवाद कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवक रिमी शर्मा, प्रज्ञा सक्सेना एवं आदित्य गौर ने सहभागिता की. बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल की एनएसएस स्वयंसेवक प्रज्ञा सक्सेना ने मंत्रालय की ओर से मंच संचालन की भूमिका भी निभाई.

तालिका प्रतियोगिता में सीआईएम विभाग को प्रथम पुरस्कार

भोपाल, 28 जनवरी. बीएचईएल में आयोजित गणतंत्र दिवस 2026 समारोह के दौरान प्रदीप उपाध्याय, कार्यपालक निदेशक, बीएचईएल, भोपाल द्वारा सेवाएँ समूह श्रेणी के अंतर्गत विश्वकर्मा पूजा 2025 टेबलो प्रतियोगिता में सीआईएम विभाग को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया. यह पुरस्कार विभाग की रचनात्मकता, टीमवर्क और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के लिए प्रदान किया. समारोह में यह ट्रॉफी रुपेश तेलंग, महाप्रबंधक, एसए डोंगरे, महाप्रबंधक तथा प्रीति गुप्ता, विभागाध्यक्ष, एवं सीआईएम टीम के सदस्यों द्वारा प्राप्त की गई.

महावीर तीर्थ में रुकने की व्यवस्था शुरू

विदिशा रोड के अमोनी में है प्रसिद्ध तीर्थ

भोपाल, 28 जनवरी. विदिशा रोड के अमोनी स्थित श्री घंटाकर्ण महावीर तीर्थ में अब रुकने एवं भोजन की व्यवस्था शुरू हो गई है. स्वर्ण रूप में प्रतिष्ठित प्रभु श्री घंटाकर्ण महावीर के तीन स्वरूप यहां विराजित हैं, जो देश में एक साथ कहीं नहीं हैं साथ ही गुरुवर श्री बुद्धिसागर जी और रत्नों के बने हुए पांच श्रीयंत्र वेदी भी है, प्रतिष्ठा 09अप्रैल 2023 को प.पू.महाराज श्री अमितगुणाश्री आदि ठाणा द्वारा की गई थी.

प.पू.महाराजश्री जिनेशकला आदि ठाणा की कृपा से चांदी के श्री शांतिनाथ भगवान की प्रतिष्ठा 05 मार्च 2025 को नवीन मंदिर में की गयी .प.पू.साध्वी श्री सिद्धांत ज्योतिश्री जी आदि ठाणा का भी सहयोग बना हुआ है . हवन हेतु विशेष हवन वाटिका बनी हुई है . प.पू.आचार्य श्री विश्वरत्न सूरी सागर जी महाराज द्वारा इसी नवीन मंदिर में मूलनायक भगवान् श्री पदमप्रभु स्वामी जी एवं श्री आदिनाथ भगवान् की प्रतिष्ठा 01 दिसंबर 2025 को संपन्न हुई . मात्र 03 वर्ष के अल्पकाल में ही ये एक ऐसा तीर्थ बन गया है, जहां लाभार्थी और दर्शनार्थी सभी पूरे देश से जुड़ रहे हैं. प.पू.आचार्य श्री विश्वरत्न सूरी सागर जी महाराज की इच्छानुसार अब नवीन मंदिर जी का पुनर्निर्माण भी प्रारंभ होने वाला है .

थिएटर अर्थ थियेटर संस्था द्वारा स्कन्द मिश्र के निर्देशन में किया मंचन

नाटक 'घोस्ट' में दर्शाया वर्तमान को कैसे तबाह करता है अतीत

भोपाल, 28 जनवरी. जीवन की हर त्रासदी, कहीं न कहीं, किसी न किसी रूप में सामाजिक और धार्मिक कुरीतियों, कुप्रथाओं तथा भ्रष्टाचार से ही जन्म लेती है. हमारे अतीत का वर्तमान पर क्या प्रभाव पड़ता है, हेनरिक इब्सन में इसे अपने नाटक घोस्ट में बिना कोई कोताही किए दर्ज किया है. ये नाटक एक भीषण पारिवारिक त्रासदी है, जो अपने समय के सबसे विवादास्पद नाटकों में से एक रहा है. इस नाटक का मंचन अर्थ थियेटर संस्था द्वारा स्कन्द मिश्र के निर्देशन में को एल.बी.टी. सभागार, श्यामला हिल्स में किया गया.

नाटक दिखाता है कि कैसे एक बुरा अतीत, चाहे-अनचाहे, वर्तमान को प्रभावित करता है और वर्तमान, भविष्य को. यह सब एक पतली-सी डोर से बंधा हुआ है. ज़रा-सी ग़लती, और सब-कुछ बिखर जाता है. और बिखराव भी कि बीनते-बीनते पूरा जीवन बीत जाए. कहानी के पात्रों की डोर भी आपस में जुड़ते-जुड़ते, किसी एक कोने में जाकर अतीत से मिल जाती है. कोई समाज और धर्म द्वारा बनाए गए रास्तों पर आंख मूंदकर चलता है और दूसरों पर भी वैसा ही करने का दबाव डालता है. कोई झूठे आदर्शों के नाम पर अपने परिवार की सच्चाई को छुपाए रखता है. कोई खुले आसमान में उड़ने का सपना देखता है, तो कहीं उड़ता हुआ आजाद पंछी क़ैद कर लिया जाता है.

नाटक की मुख्य नायिका कहती भी है कि हम सबके ऊपर प्रेत मंडराते रहते हैं. न सिर्फ उन चीजों के, जो हमें अपने मां-बाप से विरासत में मिलती हैं, बल्कि उन अनगिनत पुराने यक़ीनों, झूठे ख्यालों, ज़ुल्मों और बेईमानियों के भी. चाहे हम उन्हें जानें या न जानें, वे मौजूद रहते हैं, और उनसे कोई छुटकारा नहीं. यही इस नाटक का मूल कथ्य है. नाटक में मुख्य भूमिका का निर्वहन देवांशी सोनी, लोकेंद्र प्रताप सिंह, वरुण महापात्र, शिखा जार और अभिषेक किरार ने किया.